नगर निगम की निगरानी पर बड़ा सवाल, बंद दुकानों ने बचाई जानें

बड़ा फुहारा में पांच मंजिला इमारत ढही

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के सबसे व्यस्त कारोबारी इलाकों में शामिल बड़ा फुहारा में मंगलवार को आदर्श जैन की करीब 30 वर्ष पुरानी पांच मंजिला इमारत के भरभराकर ढह जाने से नगर निगम की जर्जर भवनों को लेकर बरती जा रही कथित लापरवाही एक बार फिर कटघरे में खड़ी हो गई है। तेज बारिश के बीच हुए इस हादसे ने पूरे बाजार क्षेत्र में दहशत फैला दी। राहत केवल इतनी रही कि हादसे के वक्त इमारत खाली थी और आसपास की अधिकांश दुकानें बंद थीं। यदि बाजार सामान्य दिनों की तरह खुला होता, तो मलबे के नीचे कई लोगों के दबने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

आवाज सुनकर भागे व्यापारी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लगातार बारिश के बीच अचानक जोरदार आवाज हुई और कुछ ही पलों में पांच मंजिला इमारत मलबे के ढेर में बदल गई। इमारत गिरते ही आसपास धूल का घना गुबार फैल गया। लोग घबराकर दुकानों, गलियों और सड़कों से भागते नजर आए। व्यस्त बाजार में हुई इस घटना ने उन व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भी भयभीत कर दिया है, जिनकी दुकानें और मकान पुरानी तथा कमजोर इमारतों के आसपास स्थित हैं।

पुलिस, फायर ब्रिगेड समेत पहुंचा रेस्क्यू दल

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड, नगर निगम और रेस्क्यू दल मौके पर पहुंचा। प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से आसपास की दुकानों और इमारतों को खाली कराते हुए क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। मलबे की जांच की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई व्यक्ति भीतर फंसा तो नहीं है। हालांकि सवाल यह है कि जब इमारत की हालत इतनी खराब थी कि वह बारिश का दबाव भी नहीं झेल सकी, तब नगर निगम के जिम्मेदार अमले ने पहले इसकी स्थिति का आकलन क्यों नहीं किया?

कार्रवाई का तंत्र कागजों तक सीमित

बड़ा फुहारा क्षेत्र पुरानी, संकरी और घनी आबादी वाली व्यावसायिक इमारतों के लिए जाना जाता है। यहां रोजाना हजारों ग्राहक, व्यापारी, कर्मचारी और राहगीर आते-जाते हैं। ऐसे संवेदनशील इलाके में जर्जर भवनों का सर्वे, संरचनात्मक जांच और समय रहते नोटिस या कार्रवाई केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनसुरक्षा की अनिवार्य जिम्मेदारी है। लेकिन इमारत के ढहने की घटना ने यह आशंका मजबूत कर दी है कि शहर में खतरनाक भवनों की पहचान और उनके विरुद्ध कार्रवाई का तंत्र कागजों तक सीमित तो नहीं रह गया है।

कई भवन वर्षों से कमजोर

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पुराने बाजार क्षेत्रों में कई भवन वर्षों से कमजोर हालत में खड़े हैं। बारिश के मौसम में दीवारों में सीलन, छतों से पानी रिसना और प्लास्टर गिरना आम बात है। इसके बावजूद समय रहते तकनीकी निरीक्षण, भवन स्वामियों को स्पष्ट चेतावनी और आवश्यक होने पर भवन खाली कराने जैसी ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं देती। मंगलवार की घटना ने इस उपेक्षा को भयावह रूप में सामने ला दिया है।

निगम अधिकारियों ने फिर कहा होगी जांच

नगर निगम अधिकारियों ने इमारत गिरने के कारणों की जांच शुरू करने की बात कही है। प्रारंभिक तौर पर भवन को जर्जर बताया जा रहा है और लगातार बारिश से उसकी संरचना कमजोर होने की आशंका जताई जा रही है। लेकिन केवल जांच की घोषणा से सवाल खत्म नहीं होते। जांच में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि इमारत को पहले कभी खतरनाक घोषित किया गया था या नहीं, क्या भवन का निरीक्षण हुआ था, क्या मालिक को नोटिस दिया गया था और यदि दिया गया था तो उसके पालन के लिए क्या कार्रवाई की गई।

गनीमत रही नहीं तो हो जाता बड़ा हादसा

यह हादसा किसी एक इमारत के ढहने तक सीमित नहीं है, बल्कि नगर निगम की आपदा-पूर्व तैयारी और शहर के पुराने बाजारों में भवन सुरक्षा व्यवस्था की परीक्षा है। बंद दुकानों और खाली इमारत ने इस बार जानें बचा लीं, लेकिन हर बार किस्मत इतनी मेहरबान नहीं होगी। नगर निगम को अब केवल मलबा हटाने और जांच कराने के बजाय बड़ा फुहारा सहित शहर के सभी पुराने व्यावसायिक क्षेत्रों में तत्काल सर्वे कराना चाहिए। खतरनाक भवनों की सूची सार्वजनिक कर, जिम्मेदार मालिकों और लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय करना जरूरी है।

लापरवाही कई जिंदगियों पर पड़ सकती हैं भारी

फिलहाल मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अमला तैनात है। क्षेत्र में आवाजाही नियंत्रित कर दी गई है और आसपास की इमारतों की सुरक्षा जांच की जा रही है। बड़ा फुहारा हादसा चेतावनी है कि जर्जर भवनों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो अगली बार मलबे के साथ प्रशासनिक लापरवाही भी कई जिंदगियों पर भारी पड़ सकती है।

बड़ा फुहारा हादसा : जर्जर नहीं था मकान, पड़ोसी के मकान तोड़ने से गिरा हिस्सा

ननि ने तेज किया सुरक्षा अभियान

शहर के व्यस्ततम बड़ा फुहारा क्षेत्र में मकान का हिस्सा गिरने की घटना में बड़ा हादसा टल गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मकान जर्जर श्रेणी में नहीं था, बल्कि पड़ोसी द्वारा नए निर्माण के लिए की जा रही तोड़फोड़ के कारण मुख्य मकान के पिलर कमजोर हुए और सामने का हिस्सा भरभराकर गिर गया। घटना के बाद महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर निगम अमले को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त स्वयं टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। महापौर और निगमायुक्त के निर्देश पर नगर निगम ने शहर में सुरक्षा अभियान तेज कर दिया है। मानसून को देखते हुए खतरनाक और वास्तविक रूप से जर्जर भवनों को चिन्हित कर भवन मालिकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि आसपास किसी जर्जर या जोखिमपूर्ण भवन की जानकारी संबंधित संभागीय कार्यालय या नगर निगम को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

यूपी और बंगाल का चक्रवात कराएगा बारिश

बादलों और रिमझिम से ठण्डक घुली

जबलपुर। पूर्वी उत्तरप्रदेश और पश्चिम बंगाल में हवा के कम दबाव का क्षेत्र व चक्रवात बनने से मध्यप्रदेश में अच्छी बारिश के आसार बन गए हैं। पानी की रिमझिम फुरफुराहट और आसमान पर छाए बादलों की वजह से तापमान में गिरावट आई है और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। हवा में नमी बढ़ जाने से बारिश के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि आषाढ़ के महीने में बादल के उम्मीद के मुताबिक राहत नहीं दे पाए। मौसम विभाग का कहना है कि आज और कल भारी बारिश हो सकती है। उसके बाद फिर छुटपुट वर्षा का दौर जारी रहेगा। मंगलवार को सुबह से ही आसमान पर बादल छाये रहे। बादलों ने दोपहर बाद सूर्यदेव को पूरी तरह से ढक लिया था। ऐसी उम्मीद बनी थी कि जमकर बारिश होगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। शाम को हल्की बारिश के बाद बादल शांत पड़ गए। मौसम में आए बदलाव से शीतल बयारें राहत दे रहीं थीं। मौसम कार्यालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2 डिग्री कम व न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया है। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री व न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री दर्ज किया गया था। हवा में नमी

प्रातःकाल 97 प्रतिशत और सायंकाल 74 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय प्रातः 5.31 बजे और सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं। मंगलवार की शाम 2.6 मिमी बारिश दर्ज की जा सकी। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 150.5 मिली मीटर (लगभग 6 इंच) दर्ज की जा चुकी है जबकि गत वर्ष आज के दिन तक कुल वर्षा 391.1 मिली मीटर दर्ज की गई थी।

इंदौर की मतगणना पूरी, भदौरिया सबसे आगे, अब जबलपुर पर नजर

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव-2026 की मतगणना रोमांचक दौर में पहुंच गई है। मंगलवार को इंदौर जिले की सभी मतपेटियों की गिनती पूरी हो गई। अब तक के रुझानों में राकेश सिंह भदौरिया बढ़त बनाकर सबसे आगे चल रहे हैं। उनके बाद विवेक सिंह, हितोशी जय हार्डिया, नरेन्द्र कुमार जैन और गौरव मिश्रा प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। अंतिम परिणाम आने तक मुकाबला पूरी तरह खुला हुआ है। महिला प्रत्याशियों में भी दिलचस्प प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। अब तक के रुझानों में प्रतीका पाठक सबसे आगे हैं। उनके बाद प्रतिभा वालिया, अन्नु पटेल, प्रीति राजेन्द्र तिवारी और राजकुमारी शर्मा बढ़त बनाए हुए हैं। इससे बार काउंसिल की राजनीति में महिला नेतृत्व की मजबूत मौजूदगी भी दिखाई दे रही है।मतगणना अभ्यर्थियों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से कराई जा रही है। प्रत्येक चरण की लाइव स्ट्रीमिंग यूट्यूब पर की जा रही है, जबकि अद्यतन जानकारी परिषद की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई जा रही है।

गोहलपुर पुलिस की सख्त कार्रवाई, इटारसी से लेकर जबलपुर तक दबिश, सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों से अपराधियों तक पहुंची टीम

तीन नकबजनियों का पर्दाफाश...

13 लाख के जेवर बरामद, चार शातिर चोर और पांच हजार का इनामी लुटेरा गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में सूने मकानों को निशाना बनाकर लाखों के सोने-चांदी के जेवर उड़ाने वाले चार नकबजनों को गोहलपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर तीन नकबजनी की वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में एएसपी सिटी आयुष जाखड़ ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर करीब 13 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। वहीं लूट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे पांच हजार रुपये के उद्घोषित इनामी आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

फुटेज से मिला अहम सुराग

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर एएसपी आयुष जाखड़, सीएसपी उदयभान बागरी और टीआई रितेश पांडे के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र के आधार पर कार्रवाई को अंजाम दिया।

सूने मकानों को बनाते थे निशाना

एएसपी जाखड़ ने बताया कि समता कॉलोनी में सूने मकान का ताला तोड़कर जेवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने इटारसी से रीनू जाटव उर्फ राहुल अंडा और गोपी किशन धुर्वे को गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर करीब 8 लाख रुपये के जेवर बरामद किए गए। रीनू के खिलाफ 28 और गोपी किशन के खिलाफ 16 आपराधिक प्रकरण दर्ज होना सामने आया है। वहीं अमखेरा-कुदवारी स्थित लक्ष्मीनारायण परिसर में डॉक्टर के सूने मकान में चोरी के मामले में सूरज चौधरी और शक्ति उर्फ राहुल चौधरी को गिरफ्तार कर करीब 5 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर जब्त किए गए। आरोपी सूने मकानों को अपना निशाना बनाते थे और वारदात को अंजाम देते थे।

इनामी बदमाश ने मारपीट के बाद वसूली रकम

इसके अलावा फरवरी में कार सवार युवकों के साथ मारपीट, बंधक बनाकर ऑनलाइन रकम वसूलने और सोने की अंगूठी लूटने के मामले में फरार पांच हजार के इनामी बदमाश संकेत राठौर को अमखेरा से घेराबंदी कर पकड़ा गया। उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा और मोबाइल जब्त किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में टीआई रितेश पांडे, एसआई अंबुज पांडे, रवि सिंह परिहार, एएसआई संजय मिश्रा सहित गोहलपुर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रक्षाबंधन का वचन निभाया...

छह घंटे में मिली 11 वर्षीय खुशी सुरक्षित बाल निकेतन पहुंची

सीसीटीवी फुटेज और संभावित ठिकानों पर चौकी बस स्टैंड पुलिस का सघन अभियान, सुरक्षित दस्तयाब कर किया सुपुर्द

हरिभूमि, जबलपुर।

रक्षाबंधन के अवसर पर बालिकाओं की सुरक्षा का संकल्प लेने वाली जबलपुर पुलिस ने अपने वचन को त्वरित कार्रवाई से सार्थक कर दिखाया। थाना मदनमहल अंतर्गत चौकी बस स्टैंड पुलिस ने स्कूल से लापता हुई 11 वर्षीय बालिका खुशी दाहिया को महज 6 घंटे के भीतर सुरक्षित तलाश कर राजकुमारी बाई बाल निकेतन की अधीक्षिका के सुपुर्द कर दिया।

राजकुमारी बाई बाल निकेतन की अधीक्षिका अभिलाषा वर्मा ने सोमवार शाम थाना मदनमहल पहुंचकर सूचना दी कि बाल निकेतन में रहकर एमएलबी स्कूल, राइट टाउन में अध्ययनरत खुशी दाहिया दोपहर करीब 3 बजे से स्कूल से गायब है। बालिका की तलाश के बावजूद कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध क्रमांक 250/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया।

सूचना मिलते ही सक्रिय हुई टीम

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चौकी बस स्टैंड प्रभारी एसआई जगन्नाथ यादव तत्काल टीम के साथ

मैदान में उतर गए। बालिका के फोटो, हुलिए और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बस स्टैंड, राइट टाउन, नेपियर टाउन, मदनमहल रेलवे स्टेशन, मुख्य रेलवे स्टेशन, ग्वारीघाट सहित अनेक संभावित स्थानों पर सघन सर्च अभियान चलाया गया।

9.40 पर सुरक्षित दस्तयाब

तलाशी अभियान में प्रधान आरक्षक दीपक बकोडे और आरक्षक लक्ष्मीनारायण गोल्हानी ने भी लगातार सक्रियता दिखाते हुए महत्वपूर्ण सुराग जुटाए। टीम की सतर्कता, तकनीकी जांच और तेज समन्वय के चलते पुलिस ने शाम 9:40 बजे खुशी को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया।

खुशी लौटते ही ली राहत की सांस

आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद बालिका को बाल निकेतन की अधीक्षिका अभिलाषा वर्मा के सुपुर्द कर दिया गया। खुशी की सकुशल वापसी से बाल निकेतन परिवार की चिंता राहत में बदल गई। पुलिस ने एक बार फिर साबित किया कि संवेदनशील मामलों में समय पर सक्रियता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

जिला बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा सहित 59 नामांकन दाखिल

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ के 20 जुलाई को होने वाले चुनाव के लिए चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन मंगलवार को विभिन्न पदों के लिए कुल 59 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। इनमें वर्तमान अध्यक्ष अधिवक्ता मनीष मिश्रा ने भी अध्यक्ष पद के लिए पर्चा भरकर मुकाबले को और रोचक बना दिया।

जिला बार चुनाव में मुकाबले की तस्वीर साफ होने लगी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता जी.एस. ठाकुर ने बताया कि दूसरे दिन अध्यक्ष पद के लिए 5, उपाध्यक्ष के लिए पांच, महिला उपाध्यक्ष के लिए एक, सचिव के लिए चार, सह सचिव के लिए तीन, कोषाध्यक्ष के लिए तीन, पुस्तकालय सचिव के लिए चार व कार्यकारिणी सदस्य के 34 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। 20 जुलाई को होने वाले मतदान को लेकर अधिवक्ताओं के बीच चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। नामांकन के बाद अब दावेदार समर्थन जुटाने में सक्रिय हो गए हैं। नाम वापसी और अंतिम सूची जारी होने के बाद विभिन्न पदों पर सीधा चुनावी मुकाबला और स्पष्ट हो जाएगा।

गोरखपुर में कथित मारपीट विवाद...

पुलिस बोली... आरोपी सुरक्षित थाने से बाहर गया था

हरिभूमि, जबलपुर।

गोरखपुर थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों पर मारपीट के लगाए गए आरोपों को लेकर पुलिस ने अपना आधिकारिक पक्ष सामने रखा है। टीआई नितिन कमल के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दावे भ्रामक हैं। जिस व्यक्ति ने पुलिस पर आरोप लगाए हैं। उसकी पहचान 40 वर्षीय सतीश सोनकर पिता अर्जुन सोनकर के रूप में हुई है, जिसके विरुद्ध पूर्व से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज बताए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वायरल सामग्री की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बरामद किए थे 21 पाव शराब

पुलिस के मुताबिक 5 जुलाई को महर्षि स्कूल के सामने पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली थी कि सतीश सोनकर अवैध शराब के साथ खड़ा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर उसके कब्जे से 21 पाव मूनलाइट/देशी शराब बरामद की। शराब जब्त कर उसके खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

अपने पैरों पर चलकर गया बाहर

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रकरण जमानती होने के कारण आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को थाने से छोड़ दिया गया। पुलिस का दावा है कि वह पूरी तरह सुरक्षित अवस्था में अपने पैरों पर चलकर थाने से बाहर गया था। इसके समर्थन में सीसीटीवी फुटेज और तस्वीरें भी उपलब्ध कराई गई हैं।

दो दशकों से कर रहा अपराध

पुलिस के अनुसार कुछ समय बाद आरोपी वापस आया और मारपीट के आरोप लगाने लगा। निष्पक्षता के आधार पर उसका मेडिकल परीक्षण भी कराया गया, जिसमें चोट या मारपीट की पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने थाना रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2006 से 2026 के बीच विभिन्न अपराध दर्ज हैं तथा उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी हो चुकी है।

सिहोरा हाईवे पर किसानों का जाम मंडी गेट पर ताला जड़ा

उपज की खरीदी नहीं होने से भड़का आक्रोश

जबलपुर। सिहोरा कृषि उपज मंडी में फसल बेचने पहुंचे किसानों का मंगलवार को गुस्सा फूट पड़ा। व्यापारियों की कथित मनमानी और मंडी प्रबंधन की उदासीनता से नाराज किसानों ने सिहोरा हाईवे पर पहुंचकर जाम लगा दिया। अचानक हुए प्रदर्शन से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे। किसानों का कहना था कि वे दूर-दराज के गांवों से अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचे हैं, लेकिन पिछले दो दिनों से उनकी फसल की खरीदी नहीं हो पा रही है।

मंडी में खरीदी ठप

किसानों के अनुसार मंडी परिसर में बड़ी मात्रा में अनाज पड़ा हुआ है। व्यापारियों के नहीं पहुंचने से किसान परेशान हैं और उन्हें

अपनी उपज खराब होने का डर सता रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी प्रशासन भी समस्या का समाधान नहीं कर रहा, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है। बताया जा रहा है कि एक व्यापारी का लाइसेंस निरस्त होने के बाद कई व्यापारी खरीदी प्रक्रिया से दूर हो गए, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ा है।

मंडी गेट पर धरना शुरू

पुलिस की समझाइश के बाद किसानों ने हाईवे से जाम समाप्त कर दिया, लेकिन उनका विरोध खत्म नहीं हुआ। आक्रोशित किसानों ने कृषि उपज मंडी के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। किसानों का कहना है कि वे कई दिनों से परेशानी झेल रहे हैं। बारिश और मौसम की अनिश्चितता के बीच खुले में पड़ी फसल खराब होने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने मंडी प्रशासन से तत्काल खरीदी शुरू कराने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। फिलहाल मंडी परिसर में किसानों का प्रदर्शन जारी है।

300 वर्ष पुराने जानकी रमण मंदिर की संपत्तियों की जांच की मांग, ग्रामीणों ने लगाए गबन के आरोप

जबलपुर। शहपुरा तहसील के पिपरिया कला क्षेत्र स्थित करीब 300 वर्ष पुराने जानकी रमण मंदिर के संचालन में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने एसडीएम शहपुरा मदन सिंह रघुबंशी को शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर की स्थापना वर्ष 1726 (संवत 1783) में बाबा रामदास द्वारा की गई थी और मंदिर के नाम पर करीब 30 एकड़ भूमि दर्ज है। पूर्व में 17-18 सदस्यीय समिति द्वारा मंदिर का संचालन किया जाता था, लेकिन वर्तमान में समिति के अधिकांश सदस्यों के निधन के बाद केवल तीन सदस्य ही शेष हैं। शिकायत में दिनेश गोटिया, शिवदयाल गोटिया और जगदीश पर मंदिर संपत्ति के दुरुपयोग, सामग्री बिक्री तथा बैंक खाते में जमा करीब 30 से 35 लाख रुपये के गबन का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने मंदिर के पुराने रजिस्टर, भूमि अभिलेख, आय-

व्यय और बैंक खातों की जांच कराने, नई समिति गठित करने तथा खसरा नंबर 376 से संबंधित रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि मंदिर की संपत्ति और व्यवस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। शिकायत सौंपने वालों में पंडित पवन महलोनिया, ठाकुर विश्वेश्वर सिंह (राजा), पंडित मेघनाद उपम्मन, पंडित अरविंद महलोनिया, पंडित संजय उपम्मन, पंडित प्रेम शंकर पांडे, थम्मन सिंह ठाकुर (बब्लू), नारायण ठाकुर, ठाकुर खिलन सिंह, दिनेश छिरा, पंडित रामरतन महलोनिया, पंडित ऋषि महलोनिया, अनिल झारिया, राहुल साहू सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

गोदाम में आग लगने से लाखों की छति

सिहोरा। खितौला बस स्टेंड के पास स्थित गुरु कृपा ट्रेडर्स की गोदाम में अचानक आग लग जाने के लाखों रुपये की छति हुई है। संचालक राकेश पहारिया ने बताया रात्रि करीब 8.30 पर लगी आग से गोदाम में पेंट,काफी,किताबें एवं अन्य सामान रखा था जो जलकर राख हो गया।उन्होंने लगभग 5 लाख की छति होना तथा बताया है। ऊपर गोदाम में सैड का कार्य चल रहा था उसी दौरान यह घटना घटित हुई है।आग किस कारण से लगी है इसका पता नहीं चल पाया है। सूचना पर पहुंची नगर पालिका सिहोरा की फायर ब्रिगेड और नागरिकों की सूझबूझ से तत्काल आग पर काबू पा लिया ।

पेट्रोल भराने गुंडा टैक्स नहीं देने पर चलाए ताबड़तोड़ चाकू

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत अग्रवाल पेट्रोल पंप पर ब्लेदवबाग चौक पर बीती रात पैसों की मांग को लेकर दो युवकों पर चाकू से प्राणघातक हमला करने का मामला सामने आया है। बड़ी उखरी विजयनगर निवासी 24 वर्षीय कन्हैया रैकवार ने पुलिस को बताया कि रात करीब 11 बजे वह अपने दोस्त विनय रैकवार के साथ एक्टिवा से घर लौट रहा था। पेट्रोल पंप के पास यश ठाकुर और यश बेन नामक युवकों ने उन्हें रोक लिया और जबरन 500 रुपये की मांग की। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर यश ठाकुर ने कन्हैया की जांघों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। बीच-बचाव करने पर यश बेन ने विनय की बाईं जांघ पर चाकू मार दिया।

एमपी कांग्रेस आईटी सेल कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर फैसला सुरक्षित

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी पत्र वायरल मामले में सुनवाई पूरी

जबलपुर । राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी पत्र वायरल करने के मामले में भोपाल से गिरफ्तार मध्य प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल के तीन कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर मंगलवार को हाई कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस ने अपने-अपने हलफनामे प्रस्तुत किए। कोर्ट को बताया गया कि गिरफ्तारी करने वाले राजस्थान पुलिस के जांच अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच चल रही है। वहीं मध्य प्रदेश पुलिस ने भी पूरे घटनाक्रम पर अपना विस्तृत जवाब पेश किया।याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े निखिल, बिलाल और इनाम को अप्रैल में भोपाल से उठाने के बाद करीब दो दिन तक अवैध रूप से हिरासत में रखा गया तथा गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश नहीं किया गया। इसी आधार पर उनके परिजनों ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट ने तीनों युवकों के बयान दर्ज किए थे, जिनमें उन्होंने अवैध हिरासत का आरोप दोहराया था। इस पर कोर्ट ने प्रथम दृष्टया मामला अवैध हिरासत का प्रतीत होने की टिप्पणी करते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नर को शिकायत मानकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने और रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। साथ ही राजस्थान पुलिस से भी विस्तृत जवाब मांगा गया था। हालांकि तीनों कार्यकर्ताओं को पहले ही जमानत मिल चुकी है, लेकिन उनकी गिरफ्तारी और हिरासत की वैधता का मुद्दा अब भी न्यायिक परीक्षण के दायरे में है। मंगलवार को दोनों राज्यों का पक्ष सुनने के बाद हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

दीवार तोड़ नाले में लटकी कार

जबलपुर। मदनमहल क्षेत्र में मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एलआईसी रोड पर तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर एक मकान की दीवार तोड़ते हुए नाले पर जाकर लटक गई। हादसे के समय मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता से कार चला रही युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। युवती ने बताया कि वाहन चलाते समय गलती से ब्रेक की जगह उसका पैर एक्सीलेटर पर पड़ गया, जिससे कार की रफ्तार बढ़ गई और वह नियंत्रण खो बैठी। सूचना पर मदनमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि किसी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई। बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को नाले से बाहर निकाला गया।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, शतरंज-गतका-कराते में दिखाई प्रतिभा

जबलपुर। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के तहत मंगलवार को शहर के विभिन्न खेल मैदानों पर रोमांचक मुकाबले आयोजित किए गए। शिक्षा विभाग की जिला खेल अधिकारी मधुमिता हाजरा ने बताया कि प्रतियोगिताओं में शतरंज, कराते और गतका जैसे खेलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सेंट थॉमस स्कूल में आयोजित गर्ल्स इंटर स्कूल शतरंज प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकी हरसिमरत कौर ने अंडर-17 वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 में आद्या धुर्वे और अंडर-19 में अन्वेषा मिश्रा ने बाजी मारी। प्रतियोगिता के मुख्य ऑब्जर्वर मो. हाशिम रहे। प्रेमनगर स्थित दशमेश हॉल में आयोजित गतका प्रतियोगिता में जसराज सिंह सहित कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-17 और अंडर-19 वर्गों में बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं कराते प्रतियोगिता में बालिकाओं ने उत्कृष्ट कौशल दिखाते हुए विभिन्न भार वर्गों में जीत दर्ज की। अंडर-14 वर्ग में अशिता शर्मा, आराध्या गुप्ता, नमामि गुप्ता, नायशा बजाज, नुपुर काकदी, स्वाति उपाध्याय और आराध्या द्विवेदी ने अपने-अपने वर्ग में सफलता हासिल की। आयोजन के माध्यम से शहर के युवा खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिला। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना देखने लायक रही।

घर में बना रखा था अवैध रिफिलिंग सेंटर

जबलपुर। पनागर पुलिस ने सोमवार की सुबह पड़ाव मोहल्ला में रसोई गैस को वाहनों में रिफलिंग का भांडाफोड किया। यहां एक युवक अपने घर पर अवैध गैस रिफलिंग चला रहा था। पुलिस ने मौके से गैस सिलेंडर और आटो सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर पड़ाव मोहल्ला पनागर निवासी बड्डू बर्मन के घर पर दबिश दी गई, यहां आरोपी बड्डू बर्मन इंडेन कम्पनी के एलपीजी गैस सिलेण्डर को तौल कांटा में रखकर गैस रिफलिंग मोटर पम्प के माध्यम से आटो क्रमांक एमपी 20 आर 7411 में लापरवाही पूर्वक गैस रिफलिंग करते दिखा। आटो चालक पुलिस को देखकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 गैस सिलेण्डर, जिसमें 1 सटक व नोजल लगा हुआ, 1 इलेक्ट्रानिक तौल कांटा, इलेक्ट्रिक मोटर पम्प तथा सवारी आटो क्रमांक एमपी 20 आर 7411 जब्त किया। पुलिस ने आरोपी बड्डू बर्मन के विरूद्ध धारा 287 बीएनएस तथा 3, 7 ईसी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

शादी का झांसा देकर 13 साल शोषण का आरोप, घमापुर थाने में शिकायत

जबलपुर। घमापुर थाना क्षेत्र में एक महिला ने शादी का झांसा देकर 13 वर्षों तक शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण किए जाने का आरोप लगाया है। मामले में सामाजिक संगठन महादलित परिसंघ के जिलाध्यक्ष आकाश मलिक ने थाना प्रभारी को शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पीड़िता की वर्ष 2013 में मदन महल निवासी विनोद गुप्ता से पहचान हुई थी। आरोप है कि शादी का भरोसा देकर आरोपी ने अलग-अलग स्थानों पर किराये के मकानों में उसके साथ संबंध बनाए। वर्ष 2021 में कांचघर क्षेत्र में भी संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। बाद में विवाह का दबाव बनाने पर आरोपी द्वारा दूरी बना लेने की बात शिकायत में कही गई है। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि पीड़िता लंबे समय से मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानी झेल रही है तथा उसके

बच्चों के भविष्य पर भी संकट खड़ा हो गया है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि पीड़िता जब शिकायत लेकर थाने पहुंची तो महिला डेस्क पर उसकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। महादलित परिसंघ के जिलाध्यक्ष आकाश मलिक ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर आरोपों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान संगठन एवं अधिवक्ता वर्ग के सुमित सिंह ठाकुर, प्रशांत सिंह राजपूत, पीयूष चीनू, एडवोकेट मुकेश बिरहा, एडवोकेट संध्या पाठक, उत्कर्ष दोहरे, एडवोकेट रितेश राजपूत, एडवोकेट प्रहलाद, एडवोकेट आकाश ग्रानिया और एडवोकेट मुकेश चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पंचवटी में नाले की सफाई नहीं होने से बढ़ी परेशानी नागरिकों ने की तत्काल कार्रवाई की मांग

भेड़ाघाट। पंचवटी क्षेत्र में नाले की समय पर सफाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि पिछले वर्ष नाले की सफाई के दौरान उसकी दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद नगर परिषद ने न तो दीवार की मरम्मत कराई और न ही इस वर्ष नाले की सफाई कराई। नाले में झाड़ियां, कचरा और गंदगी जमा होने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है तथा बीमारी फैलने की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय लोगों और नर्मदा भक्तों ने आरोप लगाया कि पंचवटी बस्ती का दूषित पानी बिना समुचित शोधन के सीधे नर्मदा नदी में मिल रहा है। उनका कहना है कि क्षेत्र में फिल्टर प्लांट का बोर्ड लगा है, लेकिन इसकी कार्यप्रणाली स्पष्ट नहीं है। नागरिकों ने नगर परिषद भेड़ाघाट से नाले की तत्काल सफाई, क्षतिग्रस्त दीवार की मरम्मत तथा नर्मदा में जाने वाले दूषित पानी के शोधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

श्री बाला प्रसाद सोनकर- सिंधी केम्प निवासी श्री बाला प्रसाद सोनकर (पप्पू रायगढ़ वाले) का निधन हो गया है। वे श्रीमती लता सोनकर के पति, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के जीजा जी एवं आर्या सोनकर के पिताजी थे। अंतिम संस्कार करिया पाथर श्मशान घाट में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रेमलता दुआ- कालीबाड़ी रोड गुप्तेश्वर निवासी श्री केवल कृष्ण दुआ की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता दुआ (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जानकी बाई पटेल- ललपुर रोड गौरीघाट निवासी श्री जगदीश पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी बाई पटेल (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विकास यादव- उडिया मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री विकास यादव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती उर्मिला देवी- सीओडी कॉलोनी निवासी श्री दीनानाथ की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला देवी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजरानी- करनैल सिंह का बाड़ा बिलहरी निवासी श्री सोहन सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती राजरानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती निर्मला डनायक- रामेश्वरम कॉलोनी उखरी रोड निवासी श्री प्रभाशंकर डनायक की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला डनायक (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. मीनू विश्वकर्मा- बेलबाग टोरिया निवासी श्री नीलेश विश्वकर्मा की पुत्री कु. मीनू विश्वकर्मा (06) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

सुश्री ममता दुबे- संजीवनी नगर दुर्गा मंदिर के पास निवासी श्री नारायण प्रसाद दुबे की पुत्री सुश्री ममता दुबे (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोहन लाल चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री मोहन

लाल चौधरी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती गायत्री विश्वकर्मा- लालमाटी चांदमारी ननिज जोनल कार्यालय के पास निवासी श्री पारसनाथ विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री विश्वकर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीना तिवारी- कांचघर दीपक डेयरी के पास निवासी श्री उमादत्त तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती मीना तिवारी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री इंद्र पाल- केंट पिगरी मंडला रोड निवासी श्री इंद्र पाल (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजकुमारी बंशकार- कृष्णा कॉलोनी बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री विनोद बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी बंशकार (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री गणेश प्रसाद तिवारी- गौरीघाट स्थित जैन मंदिर के निकट निवासी श्री गणेश प्रसाद तिवारी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीराम बाबा- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्रीराम बाबा (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री सुभाष चंद्र जैन- गल्ला मंडी निवाडग़ंज निवासी श्री सुभाष चंद्र जैन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र प्रसाद बंशकार- प्रेमसागर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद बंशकार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती बुधिया बाई- लालमाटी चांदमारी दुर्गा मंदिर के पास निवासी श्री सरमन लाल की धर्मपत्नी श्रीमती बुधिया बाई (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उद्घाटन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति कॉलम से.मी.
डिस्प्ले साइज:- 1X1 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
डिस्प्ले साइज:- 1X1 से.मी. रंगीन 400/-
डिस्प्ले साइज 1X3 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

दुनिया भर में प्रसिद्ध कुछ ऐसे ब्रांडेड एक्सेसरीज, जिनके पीछे छिपी हैं अनोखी कहानियां

फैशन की दुनिया में कुछ एक्सेसरीज ऐसी होती हैं, जिन्हें पाना हर किसी का सपना होता है। ये न केवल अपनी डिजाइन और गुणवत्ता के लिए जानी जाती हैं, बल्कि उनके पीछे की कहानियां भी बहुत दिलचस्प होती हैं। इन एक्सेसरीज की खासियत इन्हें अन्य सामानों से अलग बनाती है और इन्हें एक खास पहचान देती है। आइए आज हम आपको 5 ऐसी मशहूर एक्सेसरीज के बारे में बताते हैं, जिनके पीछे की कहानियां जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

गुच्ची बैग

गुच्ची एक ऐसा नाम है, जो अपने शानदार उत्पादों के लिए मशहूर है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि गुच्ची बैग की शुरुआत एक छोटे से कारखाने से हुई थी? यह कारखाना इटली के फ्लोरेंस शहर में स्थित था और यहां पहले चमड़े के उत्पाद बनाए जाते थे। धीरे-धीरे गुच्ची बैग ने अपनी अनोखी डिजाइन और गुणवत्ता के कारण दुनियाभर में पहचान बनाई। आज गुच्ची बैग एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं।

रोलेक्स की घड़ी

रोलेक्स की घड़ियां दुनिया भर में समय बताने के साथ-साथ स्टाइल का प्रतीक भी बन गई हैं। इनकी खासियत सिर्फ समय बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके पीछे एक लंबी कहानी है। रोलेक्स की शुरुआत 1905 में लंदन से हुई थी, जब हंस विल्सडॉर्फ नामक एक युवा उद्यमी ने इस ब्रांड की शुरुआत की थी। उन्होंने सबसे पहले पेरिस में अपनी घड़ियों को बेचना शुरू किया और फिर धीरे-धीरे रोलेक्स ने अपनी पहचान बनाई।

चैनल हैंडबैग

चैनल हैंडबैग फैशन की दुनिया में एक अहम स्थान रखता है। इस ब्रांड की शुरुआत कोको चैनल ने 1910 में फ्रांस में की थी। उनके द्वारा बनाए गए पहले हैंडबैग बहुत सरल दिखते थे, लेकिन उनकी गुणवत्ता बेहतरीन थी। धीरे-धीरे इन हैंडबैग ने अपनी अनोखी डिजाइन और गुणवत्ता के कारण दुनिया भर में पहचान बनाई। आज चैनल हैंडबैग एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं। ये न केवल फैशन, बल्कि इतिहास का भी हिस्सा हैं।

डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे

डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे अपने अनोखे डिजाइन और गुणवत्ता के लिए मशहूर हैं। इनकी शुरुआत 1980 में इटली में हुई थी, जब डोमेनिको डोल्से और स्टेफानो गब्बाना ने यह ब्रांड खोला था। डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे ने जल्द ही अपनी पहचान बनाई और आज ये एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं। इन एक्सेसरीज की कहानियां हमें सिखाती हैं कि सफलता केवल गुणवत्ता और डिजाइन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मेहनत और समर्पण भी जरूरी है।

दुनिया का सबसे खूबसूरत कॉलेज, क्लासरूम लगता है परियों का देश

वारसॉ। दुनिया भर में कई विश्वविद्यालय हैं जो अपनी पढ़ाई के स्तर के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन पोलैंड का व्रोकलॉ विश्वविद्यालय अपनी भव्य और मनमोहक वास्तुकला के कारण अलग ही जगह रखता है। इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत कॉलेजों में शुमार किया जाता है। यहां के क्लासरूम, हॉल और इमारतें देखकर ऐसा लगता है मानो कोई परी कथा जीवंत हो गई हो। कॉलेज के छात्र यहां क्लास बंक करने की बजाय रोज आने के लिए उत्साहित रहते हैं। व्रोकलॉ विश्वविद्यालय पोलैंड के व्रोकलॉ शहर में स्थित है। इसकी स्थापना 1702 में हुई थी और यह पोलैंड के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है। लेकिन, इसकी प्रसिद्धि सिर्फ उम्र या पढ़ाई के कारण नहीं है। इसकी इमारतें गोथिक, बारोक और रेनेसां शैली का अद्भुत मिश्रण हैं।

क्लास बंक करने की बजाय रोज आने के लिए उत्साहित रहते हैं छात्र

आर्ट का बेहतरीन फॉर्म

लाल ईंटों की भव्य इमारतें, ऊंची-ऊंची छतें, रंगीन ग्लास वाली खिड़कियां, नक्काशीदार स्तंभ और विशाल लाइब्रेरी देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाता है। छात्र बताते हैं कि इतनी सुंदर जगह पर पढ़ाई करना खुद में एक अनोखा अनुभव है। क्लासरूम इतने आकर्षक हैं कि पढ़ते-पढ़ते ध्यान भटक जाता है। यूनिवर्सिटी का मुख्य बिल्डिंग, ऑडिटोरियम और आंतरिक हॉल इतने शानदार हैं कि पर्यटक भी इन्हें देखने के लिए खासतौर पर आते हैं। कई लोग इसे 'परियों का महल' कहकर पुकारते हैं।

पढ़ाई भी शानदार

पोलैंड में शिक्षा की गुणवत्ता भी बेहद अच्छी मानी जाती है। व्रोकलॉ यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग, साइंस, ह्यूमैनिटीज, लॉ और मेडिसिन जैसे कई कोर्स पढ़ाए जाते हैं। यहां कम फीस, अच्छी फैसिलिटी और विश्व स्तरीय शिक्षा मिलती है। यही कारण है कि दुनिया भर के छात्र यहां पढ़ने आते हैं। भारतीय छात्रों के लिए भी यह यूनिवर्सिटी आकर्षक विकल्प है। कई भारतीय यहां उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं। वे बताते हैं कि कैंपस की सुंदरता मन को शांत रखती है और पढ़ाई में मदद करती है। भारत के जर्जर कॉलेज भवनों की तुलना में यहां का माहौल बिल्कुल अलग है। यूनिवर्सिटी के आसपास का इलाका भी बेहद खूबसूरत है। व्रोकलॉ शहर को पोलैंड का वेनिस भी कहा जाता है, क्योंकि यहां नदियां और पुरानी इमारतें बहुतायत में हैं।

रोचक खबरें

यहां समुद्र में फेंक दी जाती है लाखों-करोड़ों की वाइन, सालों तक पानी के अंदर है सड़ती

मैड्रिड। वैसे तो दुनिया के कई हिस्सों में वाइन बनाई जाती है, लेकिन स्पैनिश वाइन का अपना ही मजा है। वाइन बनाने वाले देश स्पेन में एक अनोखा ट्रेंड चल रहा है। कई कंपनियां अपनी महंगी वाइन को समुद्र के अंदर फेंक देती हैं। लाखों-करोड़ों रुपए की बोतलें पानी के नीचे सालों तक रहती हैं और फिर निकालकर महंगे दामों में बेची जाती हैं। कंपनियां खास बोतलों को मजबूत क्रेट्स में पैक करके समुद्र की गहराई में डुबो देती हैं। वहां अंधेरा, उच्च दबाव और लगातार हलचल रहती है। कंपनियों का मानना है कि अंधेरी गहराई से रोशनी नहीं पहुंचती, जिससे वाइन का स्वाद बेहतर बनता है। साथ ही पानी की हलचल बोतल को हिलाती रहती है, जिससे टेक्चर स्मूद और रिच होता है। इसके अलावा समुद्र का नमक और प्रेशर वाइन को यूनिक फ्लेवर देता है। कुछ साल बाद बोतलें निकाली जाती हैं। इन बोतलों पर खास सर्टिफिकेट लगाया जाता है कि ये समुद्री वृद्ध या पानी के नीचे परिपक्व हैं। समुद्र से निकाली गई वाइन सामान्य वाइन से कई गुना महंगी बिकती है। कुछ बोतलें तो लाखों रुपए में बिक जाती हैं। वाइन कलेक्टर्स और शौकीन इन्हें खास मानते हैं। लेकिन, वाइन एक्सपर्ट्स अभी भी इस बात पर पूरी तरह यकीन नहीं कर पाए हैं। कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि पानी के अंदर रखने से वाइन में कुछ केमिकल चेंज होते हैं जो स्वाद को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन, कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह ज्यादातर मार्केटिंग ट्रिक है। समुद्र में रखने से बोतलें क्षतिग्रस्त भी हो सकती हैं।

दुनिया की सबसे रंगीन चिड़ियां शरीर पर मौजूद हैं कई रंग

नई दिल्ली। प्रकृति की गैलरी में कुछ पक्षी ऐसे हैं जिन्हें देखकर लगता है कि कलाकार ने सारे रंग खर्च कर दिए हैं। ऐसा ही एक पक्षी है कोकोनट लोरीकीट। इसे दुनिया की सबसे रंगीन चिड़ियों में से एक माना जाता है। इसके पंखों पर नीला, हरा, लाल, पीला, नारंगी और बैंगनी रंगों का ऐसा कमाल का मेल है कि इसे देखकर आंखें ठहर जाती हैं। कोकोनट लोरीकीट का शरीर चमकीले हरे रंग का होता है जबकि सिर और छाती लाल-नारंगी, पंखों के किनारे नीले और पीले निशान वाले होते हैं। ये रंग ना सिर्फ सुंदरता के लिए बल्कि जंगल में छिपने और साथियों को आकर्षित करने में भी मदद करते हैं। घने जंगलों और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में ये आसानी से छिप जाते हैं, लेकिन उड़ते समय उनके रंग चमक उठते हैं। सामान्य तोतों की तरह यह बीज नहीं खाता। इसके बजाय यह फूलों का नेक्टर (रस) पीने में माहिर है। इसकी जीभ ब्रश की तरह होती है जिसके सिरे पर छोटे-छोटे बाल जैसे रेशे हैं, यह जीभ फूल में डालकर रस को चूस लेती है। इसके अलावा यह फल, नारियल का रस और कुछ कीड़े भी खा लेता है। नाम के मुताबिक यह कोकोनट (नारियल) के फूलों और फलों का बहुत शौकीन है। कोकोनट लोरीकीट ऑस्ट्रेलिया, न्यू गिनी, इंडोनेशिया और सोलोमन द्वीप समूह में पाया जाता है। ये जोड़ों या छोटे झुंडों में रहते हैं। ये बेहद चहकने वाले और सक्रिय पक्षी हैं। दिन भर फूलों से फूलों पर उड़ते रहते हैं। ये घोंसले पेड़ों के खोखले हिस्सों या चट्टानों की दरारों में बनाते हैं। मादा लोरीकीट दो से तीन अंडे देती है। माता-पिता दोनों मिलकर अंडों को सेते हैं और बच्चों को खिलाते हैं। छोटे बच्चे शुरू में बिना पंखों वाले और कमजोर होते हैं, लेकिन जल्दी ही मां-बाप की तरह रंगीन बन जाते हैं।

चेतावनी

सिर्फ तेज हवा कसूरवार नहीं, चौंका देगी वजह

बारिश आते ही क्यों ताश के पत्तों की तरह ढह रहे हैं भारी-भरकम पेड़?

मुंबई। बारिश की बूंदें जब राहत बनकर बरसती हैं, तो कोई नहीं सोचता कि सड़क किनारे छांव देने वाला पेड़ अचानक किसी की मौत का कारण भी बन सकता है! मानसून की भारी बारिश के बीच बीते एक हफ्ते में तीन जिंदगियां जिनमें एक 11 साल का बच्चा भी शामिल था पेड़ गिरने की वजह से हमेशा के लिए खत्म हो गईं। बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार, मात्र एक ही दिन में 142 जगहों पर पेड़ या उनकी शाखाएं टूटकर गिरीं। यह सिर्फ एक प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। आखिर क्यों हमारे शहरों के रक्षक कहे जाने वाले ये पेड़ अचानक बारिश हवा आते ही गिरने लगते हैं? क्या इसके पीछे सिर्फ हवा ही कारण है?

तो क्या सिर्फ तेज हवाएं गिरा रही हैं पेड़?

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि तेज आंधी के कारण से पेड़ गिरते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि असल कहानी कुछ और ही है। स्वस्थ और मजबूत पेड़ सिर्फ हवा के झोंकों से कभी नहीं गिरत। पेड़ असल में तब उखड़ते हैं जब उनकी जड़ें या तने पहले से ही कमजोर हो चुके हों। लगातार होने वाली बारिश से जमीन की मिट्टी पूरी तरह पानी सोख लेती है और दलदल जैसा रूप ले लेती है। इससे जड़ों पर मिट्टी की पकड़ ढीली हो जाती है। ऐसे में जब तेज हवाएं पेड़ के ऊपरी हिस्से से टकराती हैं, तो कमजोर हो चुकी मिट्टी पेड़ का वजन नहीं संभाल पाती और पूरा का पूरा पेड़ जड़ समेत उखड़ जाता है। ऊंचे पेड़ों के साथ यह खतरा और ज्यादा होता है क्योंकि उनकी लंबाई के कारण जड़ों पर प्रेशर कहीं ज्यादा बढ़ जाता है।

शहरीकरण बना सबसे बड़ा विलेन

पेड़ों के गिरने के पीछे कई कारण हैं, इनमें एक शहरीकरण भी है। शहरों में कंक्रीट का जाल, बिना प्लानिंग के निर्माण कार्य, सड़कों को चौड़ा करना, केबल और पाइपलाइनों के लिए की जाने वाली खुदाई और फुटपाथों का कंक्रीटीकरण पेड़ों की जड़ों को बुरी तरह डैमेज कर रहा है। फुटपाथों पर कंक्रीट बिछने के कारण मिट्टी तक ऑक्सीजन और पानी नहीं पहुंच पाता, जिससे पेड़ अंदर ही अंदर खोखले और कमजोर हो रहे हैं।

शहरों में क्यों बढ़ रहा है यह खतरा?

भारत के तेजी से बढ़ते शहर आज पेड़ों के लिए खतरा बन चुके हैं। सड़कों के किनारे लगे पेड़ों को कंक्रीट के छोटे-छोटे गड्ढों में कैद कर दिया गया है, जिससे उनकी जड़ें फैल नहीं पातीं. बिना फैली जड़ों के ये पेड़ भारी तूफानों को झेलने में शक्तिशाली नहीं हो पाते हैं। दूसरी तरफ, क्लाइमेट चेंज के कारण अब कम समय में बहुत भारी बारिश और बेहद तेज हवाएं चलने लगी हैं।

सफेद-भूरा नहीं, ये है दुनिया के सबसे खूबसूरत अंडे

नई दिल्ली। आपने अंडे अक्सर सफेद या भूरे रंग के ही देखे होंगे। भारत में मुर्गी पालन के फार्म अंडे ज्यादातर सफेद होते हैं, जबकि देसी मुर्गियों के अंडे हल्के भूरे रंग के। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया भर में कुछ पक्षी ऐसे अंडे देते हैं जिन्हें देखकर आंखें ठहर सी जाती हैं? ये अंडे इतने खूबसूरत और अनोखे होते हैं कि कई बार लोग इन्हें पॉलिश किए गए रंगीन पत्थर समझ बैठते हैं।

प्रकृति की इस अनोखी कृति ने ना सिर्फ सुंदरता का खजाना दिया है, बल्कि जीव विज्ञान के कई रहस्य भी छिपाए हैं। आज हम आपको प्रकृति के कुछ ऐसे अंडों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बाद में जानकर आपको यकीन नहीं होगा। ये अंडे बेहद खूबसूरत दिखते हैं। पहली बार में तो लोगों को यकीन ही नहीं होता है कि ये कोई आर्ट वर्क नहीं, बल्कि अंडे हैं।

मां का खूबसूरत खजाना

सबसे चर्चित अंडों में से एक है ग्रेट तिनामु का अंडा। यह मध्य और दक्षिण अमेरिका का पक्षी है। इसका अंडा गहरे बैंगनी-नीले रंग का होता है, जो चमकदार और लगभग चमकीला दिखता है। ये अंडे इतने आकर्षक होते हैं कि इन्हें देखने वाले पर्यटक और प्रकृति प्रेमी हैरान रह जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह रंग छिपाव के लिए नहीं, बल्कि संभवतः नर पक्षी को आकर्षित करने या अंडों की पहचान के लिए विकसित हुआ है। अमेरिकन रॉबिन के अंडे भी कम चर्चित नहीं है। ये चमकीले नीले रंग के होते हैं जिन पर कभी-कभी हल्के धब्बे भी दिखते हैं। इनके नीले रंग का कारण बिलिवर्डिन नामक पिगमेंट है, जो पित्त में पाया जाता है।

रोबिन मां अपने घोंसले को पत्तियों और कीचड़ से बनाती है, जिसके बीच ये नीले अंडे बेहद खूबसूरत लगते हैं। यह रंग शिकारियों से बचाव में भी मदद करता है, क्योंकि नीला रंग जंगल की छाया में घुल-मिल जाता है। लिस्ट में इमू के अंडे भी शामिल है। प्रकृति का एक अनोखा तोहफा हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस बड़े पक्षी के अंडे गहरे हरे रंग के होते हैं, जिन पर नक्काशीदार जैसी बनावट होती है। ये अंडे बड़े आकार के होते हैं और इनका रंग समय के साथ थोड़ा बदल सकता है। इमू अंडे का हरा रंग भी बिलिवर्डिन पिगमेंट से आता है। मादा इमू अंडे देने के बाद नर इमू 8 हफ्तों तक इन्हें सेता है। इस दौरान वह भोजन भी नहीं खाता और सिर्फ अंडों की रक्षा करता है।

हैरान करता है प्रकृति का चमत्कार

इनके अलावा कई अन्य पक्षी भी अनोखे अंडे देते हैं। उदाहरण के लिए कॉमन म्यूर के अंडे नाशपाती के आकार के होते हैं, जो चट्टानों पर घूमने पर भी गिरते नहीं हैं। इन पर काले-भूरे पैटर्न होते हैं जो हर अंडे पर अलग-अलग होते हैं, जिससे मां पक्षी अपनी संतान को आसानी से पहचान लेती है। ईस्टर्न ब्लूबर्ड के अंडे हल्के नीले होते हैं, जबकि कुछ प्रजातियों के अंडे लाल, गुलाबी या यहां तक कि काले धब्बों वाले भी होते हैं।

ये रंग क्यों बनते हैं?

पक्षियों के अंडों के रंग और पैटर्न मुख्य रूप से दो पिगमेंट्स से आते हैं- प्रोट्रोपोर्फिरिन (लाल-भूरा) और बिलिवर्डिन (नीला-हरा)। ये पिगमेंट्स अंडे की खोल पर जमा होकर अलग-अलग डिजाइन बनाते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि ये रंग कई उद्देश्यों के लिए विकसित हुए हैं, जिसमें छिपाव यानी जंगल या घास में अंडे छिपे रहना शामिल है। इसके अलावा मां पक्षी अपने अंडों को दूसरों से अलग पहचान सके, इसे संरक्षण मिल सके भी शामिल है। कुछ रंग परजीवियों या बैक्टीरिया से बचाते हैं। वहीं, कुछ मामलों में नर पक्षी को आकर्षित करने के लिए अंडे रंगीन होते हैं।

भारत में भी मिलते हैं अनोखे अंडे

भारत में मोरनी के अंडे हल्के भूरे-पीले होते हैं, जबकि कुछ जंगली पक्षी जैसे कोयल के अंडे अन्य पक्षियों के घोंसलों में मिलते-जुलते होते हैं, ताकि वे उन्हें अपना समझकर से सकें। हिमालय क्षेत्र में कुछ पक्षियों के अंडे हरे-नीले रंग के पाए जाते हैं।

खुला 1700 साल पुराना राज

काहिरा। पुरातत्वविदों के हाथों बड़ी कामयाबी लगी है। उन्होंने बाइजेंटाइन युग का प्राचीन शहर खोज निकाला है। यह शहर मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में मिला, जो अच्छी तरह संरक्षित हालत में था। पुरातत्वविदों को खुदाई में सिक्के, मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े और औजार भी मिले। इसके अलावा, अलेक्जेंड्रिया के पास मरीना अल-अलेमैन में 18 प्राचीन कब्रें भी खोजी गई हैं। इनमें से कई कब्रें चट्टान काटकर बनाई गई थीं, जबकि कई कब्रें चूने पत्थर की बनी थीं। साथ ही, मिट्टी के बर्तन और ग्रेनाइट सारकोफैगस भी मिले।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो प्राचीन शहर खोजा गया, वह व्यवस्थित तरीके से बनाया गया था। उसमें सड़कों का बढ़िया जाल बनाया गया था। उसमें उत्तर-दक्षिण दिशा की मुख्य सड़कें पूर्व-पश्चिम सड़कों से काटती हुई मिलीं, जो खुले चौकों और सार्वजनिक स्थानों का निर्माण करती हुई दिखीं. यह सर्वोच्च पुरातत्व परिषद के महासचिव हिशाम अल-लीथी ने दी।

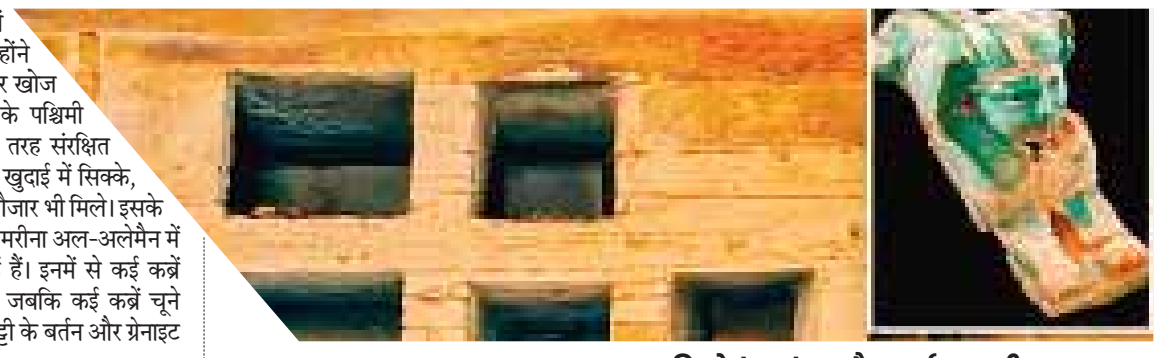

किलेबंद ढांचा और कई घर भी आए नजर

मसऊद ने बताया कि खुदाई में मोटी रक्षात्मक दीवारों वाला एक मजबूत किलेबंद ढांचा और कई घर भी मिले। उन घरों में स्वागत कक्ष और मेहराबदार छतें थीं। इनमें से एक घर तिसौस का था, जो एक चर्च डीकन का भी काम करता था। पुरातत्वविदों ने ब्रेड ओवन, रसोई, पिसाई के औजार और बाइजेंटाइन सम्राटों के चित्र वाले कांस्य सिक्के भी खोजे, जिन पर लैटिन शिलालेख और ईसाई प्रतीक अंकित थे। मंत्रालय के बयान के अनुसार, खोजे गए स्वर्ण सिक्कों का समूह रोमन सम्राट कॉन्स्टैंटियस द्वितीय के शासनकाल (337-361 ई.) का माना जा रहा है। इस्लामिक, कॉप्टिक और यहूदी पुरातत्व विभाग के प्रमुख दिया जहरान के मुताबिक, उन्हें करीब 200 मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े मिले हैं। जिनका इस्तेमाल लेखन सामग्री के रूप में किया जाता था। इन टुकड़ों को ऑस्ट्राका कहा जाता था। उन पर व्यावसायिक लेन-देन, पत्राचार और दैनिक जीवन से जुड़े दूसरे विवरण अंकित थे।

48 कब्रों की भी हुई खोज

पुरातत्वविदों ने मरीना अल-अलेमैन पुरातत्व स्थल पर प्राचीन कब्रें भी खोजीं, जो भूमध्यसागरीय शहर अलेक्जेंड्रिया से करीब 100 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। मंत्रालय के अनुसार, वहां पर 11 चट्टान काटकर बनाई गई कब्रें मिलीं, जिनकी औसत गहराई 8 मीटर थी। साथ ही, 7 सतही चूने पत्थर की कब्रें भी मिलीं. इसके साथ ही इस स्थल पर कुल खोजी गई कब्रों की संख्या 48 हो गई है। वहां पर पुरातत्वविदों को मिट्टी के बर्तन, एम्फोरा, लैंप, प्लेट, वेदियां और चूने पत्थर के बेसिन मिले। मिशन प्रमुख इमान अब्देल-खालिक ने बताया कि उन्हें 2.5 मीटर लंबा एक ग्रेनाइट सारकोफैगस भी मिला, जिसमें कंकाल के अवशेष थे। सारकोफैगस के पास प्लास्टर से बनी स्फिंक्स मूर्ति के अवशेष मिले हैं।

चौथी शताब्दी के बाद लुप्त हो गया था शहर

कुछ मृतकों के कंकालों के मुंह में चार स्वर्ण टुकड़े रखे गए थे, जिसे 'स्वर्ण जिह्वा' कहा जाता है। यह उस युग की अंतिम संस्कार संबंधी मान्यताओं से जुड़ी प्रथा थी। मरीना अल-अलेमैन मिस्र के उत्तरी तट पर अल-अलेमैन शहर के पास स्थित पुरातत्व स्थल है, जिसकी खोज 1986 में हुई थी। पुरातत्वविदों का मानना है कि यह प्राचीन ग्रीको-रोमन बंदरगाह शहर ल्यूकास्पिस था, जो दूसरी शताब्दी में बसाया गया था और चौथी शताब्दी तक समृद्ध रहा. उसके बाद विभिन्न वजहों से वह शहर लुप्त होकर जमीन में दफन हो गया।

आंख फड़कना रोकने के चक्कर में खुद को किया अंधा!

बीजिंग। चीन में एक पुरानी कहावत बहुत मशहूर है कि बाईं आंख फड़के तो पैसा आए, दाईं फड़के तो मुसीबत आए। बस इसी डर से ले काफी ज्यादा परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि दाहिनी आंख का फड़कना उसके लिए कोई बुरा संकेत है। कुछ बड़ा अनहोनी होने वाली है। उसने पहले आंखों को आराम दिया, गर्म कपड़े से सेंक भी लगाई, पर फड़कना बंद ही नहीं हुआ। चीन में कई बुजुर्ग तो ये भी मानते हैं कि पलक पर सफेद कागज की पट्टी चिपका दो तो फड़कना रुक जाता है। ले ने ये सब नहीं किया। उसने सीधा अपनी आंख के आसपास जोर-जोर से थप्पड़ मारने शुरू कर दिए। एक दिन नहीं, दो दिन नहीं, पूरे तीन दिन तक वो ऐसा करता रहा। नतीजा ये हुआ कि फड़कना तो रुक गया, लेकिन उसकी आंखों की रोशनी जाने लगी। पहले साइड से दिखना बंद हुआ। उसे लगा शायद थकान है। फिर धीरे-धीरे सामने भी धुंधला दिखने लगा। जब हालत ज्यादा खराब हुई तो वो डॉक्टर के पास भागा।

जांच में पता चला कि उसकी रेटिना अपनी जगह से खिसक गई है, जिसे मेडिकल भाषा में रेटिनल डिटैचमेंट कहते हैं। डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी की। किस्मत अच्छी थी कि ऑपरेशन के बाद उसकी आंखों की रोशनी वापस आ गई। लेकिन सोचिए, जरा सी लापरवाही और अंधविश्वास की वजह से वो हमेशा के लिए अंधा भी हो सकता था। डॉक्टरों का कहना है कि हमारी रेटिना बहुत ही नाजुक होती है। उसकी मोटाई 0.3 मिलीमीटर से भी कम है, यानी कागज से भी पतली। अगर आप आंख पर तेज थप्पड़ मारते हैं तो उसका झटका सीधा पुतली और रेटिना तक पहुंचता है। इससे रेटिना फट सकती है या अपनी जगह से हट सकती है। और एक बार रेटिना डैमेज हो गई तो रोशनी जाना तय है।

शरीर का सिग्नल है पलकों का फड़कना

ले ने इस पूरे मामले पर अभी तक कुछ नहीं बोला है। शायद वो खुद भी शर्मिंदा होगा कि एक छोटी सी बात के लिए उसने अपनी आंख दांव पर लगा दी। डॉक्टर बताते हैं कि ज्यादातर केस में पलकों का फड़कना कोई अपशगुन-वपशगुन नहीं होता। ये बस शरीर का सिग्नल है। जब हम बहुत देर तक मोबाइल या लैपटॉप देखते हैं, नींद पूरी नहीं होती, या टेंशन ज्यादा ले लेते हैं, तो आंखें फड़कने लगती हैं। आमतौर पर अच्छी नींद लेने से, स्क्रीन टाइम कम करने से और स्ट्रेस कम करने से ये अपने आप ठीक हो जाता है। हां, अगर फड़कना एक हफ्ते से ज्यादा खिंच जाए, या फिर गाल और होंठ के आसपास भी होने लगे, तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। तब न्यूरोलॉजिस्ट या आई स्पेशलिस्ट को दिखाना जरूरी है। चीन में ऐसा पहले भी हो चुका है। हुनान प्रांत की एक महिला की बाईं आंख तीन साल तक फड़कती रही. पर वो डॉक्टर के पास नहीं गई क्योंकि उसे लगता था कि बाईं आंख फड़कना तो लकी होता है, पैसा आएगा. नतीजा ये हुआ कि जून तक उसकी आधी चेहरे की मसल्स खिंचने लगीं. डॉक्टरों ने बताया कि उसे हेमिफेशियल स्पाज्म हो गया था।

छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाने के नियम सख्त: नदी-आबादी और स्कूलों से रखनी होगी दूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब उद्योग लगाने के लिए स्थान का चयन पहले की तुलना में अधिक सख्त नियमों के तहत करना होगा। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल (सीईसीबी) ने उद्योगों की स्थापना के लिए नए 'साइटिंग क्राइटेरिया' (स्थान चयन मानदंड) अधिसूचित कर दिए हैं। इसके तहत उद्योगों को नदियों, तालाबों, आबादी, स्कूलों, अस्पतालों, धार्मिक स्थलों, पुरातात्विक स्मारकों, आरक्षित वनों और इको-सेंसिटिव क्षेत्रों से न्यूनतम निर्धारित दूरी बनाए रखना अनिवार्य होगा। यह आदेश वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 तथा जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। इसका उद्देश्य उद्योगों के कारण पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना है।

जल स्रोतों से इतनी दूरी जरूरी

राजस्व अभिलेखों के अनुसार किसी भी सतही जल स्रोत (बाढ़ क्षेत्र, एचएफएल अथवा रेड लाइन) की सीमा से उद्योगों की न्यूनतम दूरी तय की गई है। रेड श्रेणी के उद्योग - 500 मीटर से अधिक दूरी। ऑरेंज श्रेणी के उद्योग : अपशिष्ट जल उत्पन्न करने वाले उद्योग- 75 मीटर से अधिक। अपशिष्ट जल उत्पन्न नहीं करने वाले उद्योग - 30 मीटर से अधिक। ग्रीन श्रेणी के उद्योग- 30 मीटर से अधिक दूरी।

क्या होगा असर

नए मानदंडों से जल स्रोतों, आबादी और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के निकट प्रदूषणकारी उद्योग स्थापित करने पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया में स्थान चयन को लेकर स्पष्ट और एकरूप नियम लागू हो जाएंगे, जिससे भविष्य में पर्यावरणीय विवादों और जन-आपत्तियों को भी कम करने में मदद मिलने की संभावना है।

आबादी, स्कूल और धार्मिक स्थलों के लिए अलग नियम

रिहायशी क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों, पूजा स्थलों, पुरातात्विक स्मारकों, आरक्षित वनों तथा इको-सेंसिटिव क्षेत्रों से भी न्यूनतम दूरी निर्धारित की गई है। रेड श्रेणी- 500 मीटर। ऑरेंज श्रेणी - 200 मीटर। ग्रीन श्रेणी - 100 मीटर।

हैकाथॉन विजेताओं को पुलिस कप्तान ने किया पुरस्कृत, सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को सौंपी डिजिटल सुरक्षा की जिम्मेदारी

सेफ क्लिक 2.0: हैकाथॉन से साइबर अपराध पर प्रहार की तैयारी

जबलपुर। बढ़ते साइबर अपराधों के बीच जबलपुर पुलिस ने 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान को जनभागीदारी से मजबूत करने की पहल की है। मध्य प्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी अभियान के तहत मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में साइबर हैकाथॉन आयोजित किया गया। इसमें इंजीनियरिंग कॉलेजों और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के साइबर वॉलेंटियर्स की 21 टीमों ने ऑनलाइन ठगी, डार्क वेब गतिविधियों और फर्जी बैंक खातों की पहचान जैसे गंभीर विषयों पर तकनीकी मॉडल प्रस्तुत किए। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

हैकाथॉन में जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, ज्ञान गंगा इंजीनियरिंग कॉलेज, हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज, लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। 'टीम वासिलिएड्स' ने डार्क वेब पर संदिग्ध अवैध गतिविधियों की जियोफेंसिंग के लिए तैयार मॉडल के आधार पर पहला स्थान हासिल किया। टीम में सयामन लाल, यश नामदेव, प्रवीण रजक और उत्कर्ष कुशवाहा शामिल रहे। म्यूल बैंक खातों की पहचान के मॉडल पर 'टीम ट्रेलब्लेजर्स' को दूसरा और 'टीम फिन म्यूल हंटर्स' को तीसरा स्थान मिला।

इन्फ्लूएंसर्स के जरिए डिजिटल सुरक्षा का संदेश

हैकाथॉन के बाद कप्तान उपाध्याय ने शहर के 25 से 30 सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स की बैठक ली। उन्हें अभियान की जानकारी देते हुए साइबर अपराधों से बचाव संबंधी रील और वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल से प्रसारित करने के निर्देश दिए गए। उद्देश्य यह है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं और आम नागरिकों तक फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, निवेश ठगी और सोशल मीडिया हैकिंग से बचाव का संदेश तेजी से पहुंचे।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में एएसपी सिटी आयुष जाखड़, एएसपी ग्रामीण अनु बेनीवाल, एएसपी क्राइम जितेंद्र सिंह, साइबर डीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों में डॉ. आज्ञा मिश्रा, प्रोफेसर पूजा दुबे, डॉ. सिद्धार्थ भालेराव और प्रोफेसर अमित कुरारिया ने भी सहभागिता की।

मॉल से गांव तक चला साइबर रथ

अभियान के तहत कृष्ण अवतार मॉल की बड़ी स्क्रीन पर साइबर सुरक्षा संबंधी वीडियो क्लिपिंग चलाई गई, जिससे करीब 15 हजार लोग जागरूक हुए। रांझी, खमरिया और औद्योगिक क्षेत्रों में साइबर रथ के माध्यम से लगभग चार हजार नागरिकों को जानकारी दी गई। कुंडम के सीएम राइज स्कूल में 400 विद्यार्थियों, विजय नगर में लाइफ लाइन फाउंडेशन की 100 महिलाओं, पुलिस लाइन में 200 खिलाड़ियों, पनागर बाजार में 500 लोगों और बरेला स्थित मंगलायतन विश्वविद्यालय में 250 विद्यार्थियों व शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के उपाय बताए गए।

40 हजार तक पहुंची जागरूकता

पुलिस के अनुसार विभिन्न थाना क्षेत्रों में चौपाल, नुक्कड़ नाटक, वीडियो स्क्रीनिंग, पंपलेट वितरण और साइबर शपथ के जरिए एक दिन में करीब 40 हजार लोगों तक अभियान पहुंचाया गया। पुलिस ने अपील की है कि संदिग्ध कॉल, लिंक, फाइल अथवा अधिक रिटर्न के निवेश प्रस्तावों पर भरोसा न करें। साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराएं।

नशे के खिलाफ जनजागरूकता जरूरी, दवा नियमों की जानकारी आमजन तक पहुंचे : ड्रग इंस्पेक्टर

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा मदन महल में नशा मुक्ति एवं दवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ड्रग इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार जैन ने नशीली दवाओं, प्रतिबंधित दवाओं, कोडीन युक्त सिरप, इंजेक्शन, मेडिकल स्टोर संचालन के नियम, नकली एवं एक्सपायरी दवाओं की पहचान तथा एंटीबायोटिक के दुरुपयोग सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि होलसेल दवा विक्रेता फुटकर दवा बिक्री नहीं कर सकते और दवा नियमों का पालन अनिवार्य है। उन्होंने अवैध दवा बिक्री संबंधी शिकायत के लिए मोबाइल नंबर 88199 04545 भी जारी किया। संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय वाधवानी ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती है, जिसके लिए जनजागरूकता और कानून का प्रभावी पालन आवश्यक है। कार्यक्रम में नागरिकों एवं संगठन पदाधिकारियों ने ड्रग इंस्पेक्टर से 34 जनहित से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनमें बिना पर्चे दवा बिक्री, मेडिकल स्टोर पर फार्मासिस्ट की उपस्थिति, नशीली दवाओं की रोकथाम, नकली दवाओं पर कार्रवाई और शिकायत प्रक्रिया जैसे विषय शामिल रहे। ड्रग इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार जैन ने नागरिकों से अवैध दवा कारोबार की सूचना देने और युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक जैन, एडवोकेट भावना निगम, डॉ. मुकेश जायसवाल, एडवोकेट आशीष त्रिपाठी, एडवोकेट अमित खत्री, एडवोकेट विवेक शुक्ला, डॉ. स्नेहा मेथवानी, डॉ. अशोक मेथवानी, डॉ. कमल विश्वास, डॉ. चंद्रेश जैन एवं डॉ. श्रीकांत साहू सहित चिकित्सक, अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छह सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण के बाद एमपी-पीजीसीएल को मिले प्रशिक्षित सिविल इंजीनियर

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपी-पीजीसीएल) के 10 नवनियुक्त कनिष्ठ अभियंता (सिविल) ने राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान , नागपुर में छह सप्ताह का विशेष तकनीकी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण, संधारण, कंक्रीट टेक्नोलॉजी, मटेरियल टेस्टिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, कार्य मापन तथा आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षुओं ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर एवं कोराडी स्थित 2×600 मेगावाट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत इकाइयों का औद्योगिक भ्रमण कर निर्माण कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव भी प्राप्त किया।समापन अवसर पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) दीपक कश्यप ने बताया कि कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह एवं डायरेक्टर टेक्निकल के मार्गदर्शन में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक तिवारी तथा अधीक्षण अभियंता (सिविल) बी.के. कुशवाहा भी उपस्थित रहे। डॉ. तिवारी ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तकनीकी रूप से दक्ष और उत्तरदायी अभियंता ही भविष्य की ऊर्जा परियोजनाओं की सफलता का आधार हैं।

मिशन लाईफ के तहत स्वच्छता रैली व पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जबलपुर। नगर निगम के संभाग क्रमांक-11 के वार्ड क्रमांक-65 में मिशन लाईफ एवं राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान की शुरुआत शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सिविल लाइन से साईं मंदिर तक निकाली गई स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण रैली से हुई। रैली में एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं, MY Bharat के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने स्वच्छ वायु, पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।रैली के बाद 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्याम कनौजिया, संभागीय नोडल अधिकारी डॉ. अरुण शुक्ला, डॉ. मीनाक्षी मेरावी, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. अजय कुमार ठाकुर, सुश्री साक्षी मरावी, सुश्री उमा धुर्वे, सुश्री रुपाली, सुरेश रजक एवं सुधीर शर्मा सहित बड़ी संख्या में एनसीसी, एनएसएस के स्वयंसेवक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने पौधारोपण कर स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषण मुक्त जबलपुर के निर्माण के लिए पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता गतिविधियों में निरंतर सहभागिता का संकल्प लिया।

'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर जनजागरूकता अभियान के तहत थाना जीआरपी जबलपुर ने सेंट थॉमस हायर सेकेंडरी स्कूल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग, क्यूआर कोड स्कैम और साइबर बुलिंग जैसे साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। विद्यार्थियों को व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड तथा सीवीवी किसी के साथ साझा नहीं करने और सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई कि वे सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। साथ ही बताया गया कि साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। थाना जीआरपी जबलपुर ने विद्यार्थियों से अपील की कि "सोच-समझकर करें क्लिक, तभी रहेगा आपका डिजिटल जीवन सुरक्षित।"

ईओडब्ल्यू ट्रैप के बाद पूर्व क्षेत्र बिजली कंपनी की बड़ी कार्रवाई, दोनों अधिकारियों का हुआ तबादला

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) जबलपुर की ट्रैप कार्रवाई में रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किए गए दो अधिकारियों के खिलाफ त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए उनका स्थानांतरण कर दिया है। कंपनी ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल) प्रहलाद मर्सकोले का चालू प्रभार निरस्त कर उन्हें कार्यपालन अभियंता (सिविल) कार्यालय, रीवा तथा कार्यपालन अभियंता (सिविल) चंद्रशेखर मेहरा का चालू प्रभार समाप्त कर उन्हें सहायक अभियंता (सिविल), अधीक्षण अभियंता कार्यालय, शहडोल में पदस्थ किया है। दोनों अधिकारियों को तत्काल नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।गौरतलब है कि 29 जून 2026 को ईओडब्ल्यू जबलपुर ने रामपुर स्थित कंपनी मुख्यालय में ट्रैप कार्रवाई कर दोनों अधिकारियों को कथित रूप से निर्माण कार्य के लगभग 10 लाख रुपये के बिल भुगतान के एवज में रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार, अनियमितता और कदाचार के मामलों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को किसी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी तथा पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति बनाए रखने के लिए नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

महापौर अन्नू ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

15 अगस्त को होगा भारत माता मंदिर का लोकार्पण

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि राष्ट्र और भारत माता सर्वोपरि हैं तथा इसी भावना के साथ शहर में लगभग पौने दो करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहे भारत माता मंदिर का भव्य लोकार्पण 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किया जाएगा। उन्होंने निगमाध्यक्ष, एमआईसी सदस्यों, पार्षदों और अधिकारियों के साथ मंदिर निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया।

महापौर ने अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह परियोजना शहर की आस्था और गौरव से जुड़ी है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान निगमाध्यक्ष रिंकू विज, एमआईसी सदस्य विवेकराम सोनकर, दामोदर सोनी, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, पार्षद श्रीमती प्रतिभा भापकर एवं श्रीमती सोनिया रंजीत सिंह, अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, सहायक आयुक्त श्रीमती शिवांगी महाजन, उद्यान अधिकारी मनीष तड़से, सहायक यंत्री श्रीमती दीप्ति भनारिया तथा उपयंत्री सौरभ चौकसे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

आपदा कंट्रोल रूम 24×7 सक्रिय रखें

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने लोककर्म, जलप्रदाय, अमृत योजना, सीएम हेल्पलाइन एवं आपदा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संभाग स्तर पर आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने, नाला-नालियों की युद्धस्तर पर सफाई कराने तथा आपदा प्रबंधन टीम को अलर्ट रखने के आदेश दिए।

बैठक में निगमायुक्त ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का एल-1 और एल-2 स्तर पर ही संतुष्टिपूर्ण एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही जलप्रदाय व्यवस्था में लीकेज सुधारकर टेल-एंड तक पेयजल पहुंचाने, अमृत योजना के तहत सीवरेज एवं उद्यान विकास कार्यों में तेजी लाने तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने अगले तीन माह तक वार्ड स्तर पर पर्यावरण संरक्षण एवं पानी बचाओ अभियान चलाने की घोषणा करते हुए कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं होगा तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सभी विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।

एमपी ट्रांसको के साइबर जागरूकता कार्यक्रम में डिजिटल सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के शक्ति भवन मुख्यालय में "साइबर सिक्योर 2026 अभियान के तहत साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश साइबर पुलिस जोन, जबलपुर की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती उमाकांती आर्मो के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने पावर सेक्टर में बढ़ते साइबर खतरों, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड, फर्जी लिंक, संदिग्ध कॉल, ई-मेल और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया।

साइबर विशेषज्ञ एवं सब-इंस्पेक्टर मोहित पांडे ने ऊर्जा अवसंरचना की सुरक्षा में साइबर सुरक्षा की अहम भूमिका बताते हुए साइबर अपराध की स्थिति में त्वरित रिपोर्टिंग पर जोर दिया। वहीं विशेषज्ञ राज शर्मा ने एआई युग में साइबर सुरक्षा की चुनौतियों, प्रमाणित वेबसाइटों के उपयोग और संचार साथी ऐप की उपयोगिता की जानकारी दी। कार्यक्रम में एसएलडीसी के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता, एमपी ट्रांसको के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव सहित लगभग 150 कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कल्पना धुर्वे ने किया तथा सभी प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

भारतीय ज्ञान परंपरा से ही संभव है पर्यावरण संरक्षण का स्थायी समाधान : डॉ. अतुल कोठारी

जबलपुर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में श्री राम ग्रुप में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "पर्यावरण संरक्षण में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका" का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए और जल, वृक्ष तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और जीवन दर्शन ही वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों का स्थायी समाधान प्रस्तुत करते हैं।

संगोष्ठी की अध्यक्षता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेश वर्मा ने की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, भारतीय भाषाओं के महत्व पर बल देते हुए सभी को मातृभाषा में हस्ताक्षर करने का संकल्प दिलाया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सह संयोजक संजय स्वामी ने पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व बताया।

कार्यक्रम में आर.के. करसोलिया, डॉ. राजेंद्र कुरारिया, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अल्केश चतुर्वेदी सहित अनेक शिक्षाविद, कुलपति, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण डॉ. पटेल ने दिया तथा अंत में डॉ. योगेश मोहन दुबे ने आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में जल संरक्षण, जैव विविधता, भारतीय कृषि परंपरा, पंचमहाभूत एवं सतत विकास जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।

CHANGE OF NAME

I, **ARUNA PK** (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No **15732840M** Rank **HAV** Name **VIJAYAN J** presently, residing at **VILL PIRAYIRI, PO THIRUNELLAYI, TEH- PALAKKAD, DISTT-PALAKKAD (KERALA)-678004** I, have changed of my name from **ARUNA PK** (Name as per my Husband, Army service records) to **ARUNA P K** (name as per my **AADHAR CARD NO. 6401 7692 5487, PAN CARD NO. FCCPK6497Q)** vide affidavit dated **01/07/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME-ARUNA P K
INCORRECT NAME-ARUNA PK

नाम परिवर्तन सूचना

I, KAILAS SOMNATH KHAIRNAR / ALKABAI KAILAS KHAIRNARis legally FATHER & MOTHER of ARMY NO- 15746059X, Rank-L/NK, Name-KHAIRNAR RAHUL KAILAS presently residing at Vill- CHIKHALOHAL, POST-CHIKHALOHAL, Teh - MALEGAON, Distt-NASHIK,State- MAHARASHTRA, PIN - 423205. शपथपूर्वक नि.लि. कथन करता हूँ करती हू कि हमारे बेटे के सर्विस रिकार्ड में हमारा नाम KHAIRNAR KAILAS (पिता) & ALAKABAI (माता) दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि हमारे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में हमारा नाम KAILAS SOMNATH KHAIRNAR (पिता) & ALKABAI KAILAS KHAIRNAR (माता) दर्ज हैं। जो कि सही है यह कि हमारे नाम को पढा व सुना एंव हमारे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं 38AA580965, 38AA580966 दिनांक 07-07-26 नोटरी जबलपुर म.प्र.।

गलत नाम	पिता - KHAIRNAR KAILAS माता - ALAKABAI
सही नाम	पिता - KAILAS SOMNATH KHAIRNAR माता - ALKABAI KAILAS KHAIRNAR